Book Ad Any category of Classified and get
Special Discount
Times of india/ Hindustan times/ Denik jagran / Amar ujala/ Navbharat times
Hindustan hindi
Discount Code TBC10
Contact:
Kunika Advertising
Plot no- 516. Sector-12, Friends Co-operative Society, Vasundhara, Ghaziabad
Mo. 8130640000

Year-14 **Issue**- 51
Ghaziabad, Sunday, 21 May- 2023

21 May to 27 May- 2023

Page: 8

Postal Registration No: UP/GZB- 80/2016-18
RNI.No: UPBIL/2009/28691
DAVP Code: 101473
Editor: Dheeraj Kumar
Mob.: 9871895198

TIRUPATI BALAJI CHRONICLE

Hindi/English {Bi-Lingual} Weekly Ghaziabad
डीएवीपीएवं उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त
www.tbcgzb.com
Email: editor@tbam.co.in

2000 रुपये के नोट बंद करने की तैयारी में RBI, बदलने के लिए दिया 4 महीने का वक्त

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (फ्ह्क) ने शुक्रवार को 2000 रुपये के नोट को लेकर बड़ा एलान किया है। केंद्रीय बैंक ने कहा है कि 2000 रुपये के नोट सकुर्लेशन से वापस ले लिए जाएंगे। रिजर्व बैंक के इस कदम से एक बार फिर नोटबंदी की यादें ताजा हो गईं। हालांकि, इस बार लोगों को किसी भी तरह से घबराने की जरूरत नहीं है, क्योंकि फिलहाल 2000 रुपये के नोट बाजार में चलते रहेंगे। रिजर्व बैंक ने 2000 के नोटों को बदलने के लिए 30 सितंबर तक की समय सीमा निर्धारित की है। आरबीआई की

घोषणा के मुताबिक, 2000 रुपये का नया नोट अब जारी नहीं किया जाएगा। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं कि 2000 रुपये के नोट की वैधता समाप्त होगी। फिलहाल, 2000 रुपये के नोट वैध रहेंगे। आरबीआई ने बैंकों को सलाह दी है कि वे तत्काल प्रभाव से 2000 रुपये के नोट जारी बंद करें। बाजार में मौजूद नोटों को बैंकों में जमा कराया जा सकता है या फिर 30 सितंबर, 2023 तक बदला जा सकता है। आरबीआई के मुताबिक, 2000 रुपये के नोटों को 23 मई से लेकर 30 सितंबर तक 20,000 रुपये तक एकबार में बदलवाए जा सकते हैं।

आरएचएएम फाउंडेशन के सहयोग से रोटरी क्लब ने कंपोजिट विद्यालय, मुबारकपुर को दिए कई जरूरत के सामान

गाजियाबाद। रोटरी क्लब ऑफ जिंदल नगर ने रोटरी हेल्थ अवॉयरनेस मिशन और आरएचएएम फाउंडेशन के सहयोग से शुक्रवार को मुबारक पुर स्थित सरकारी कम्पोजिट विद्यालय को डेस्क के साथ बेंच, स्टील की अलमारी, सिलिंग फैन और ट्यूट लाइट्स दीं।

विद्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि आइपीडीजी अशोक अग्रवाल और पीडीजी जे के गौड़ ने स्कूल प्रबंधक और प्रधानाचार्य को सामान सौंपे।

विशिष्ठ अतिथि रोटेरियन रवि बाली ने अपनी माता जी विजया बाली की स्मृति में डेस्क व इलेक्ट्रिक के अन्य सामान दिए। क्लब की ओर से विद्यालय को पंखे दिए गए। इस मौके पर आरएचएएम फाउंडेशन के संस्थापक और चेयर रोटेरियन डॉ. धीरज भार्गव ने कहा कि क्लब और फाउंडेशन अपने सामाजिक दायित्व के तहत सरकार विद्यालयों में बच्चों के लिए आवश्यक सामान मुहैय्या कराते हैं।

अब तक कई विद्यालयों में बच्चों को पठन-पाठन सामग्री के साथ बुनियादी जरूरत के सामान दिए गए। उन्होंने कहा कि क्लब और फाउंडेशन ने प्राथमिक और कंपोजिट विद्यालयों में बुनियाद जरूरतों को पूरा कराने का लक्ष्य तय किया है ताकि गरीब और मध्यम वर्ग के परिवारों के बच्चों को शिक्षा हासिल करने में कोई परेशानी ना हो।

इस मौके पर आईपीडीजी अशोक अग्रवाल ने कहा कि विद्यालयों में सुविधाएं विकसित करने और शिक्षा के प्रचार-प्रसार से ही 'सबको शिक्षा' के लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। रोटरी क्लब इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। स्कूल के प्रबंधक और प्रधानाचार्य ने रोटरी क्लब के सदस्यों का आभार जताया।

इस मौके पर प्रोजेक्ट चेयर अजय जोशी, रोटेरियन दयानंद शर्मा, आरएचएएम की कोषाध्यक्ष मनीषा भार्गव, 2022-23 के अध्यक्ष डॉ. डी के उपाध्याय, सचिव के के गुप्ता और कोषाध्यक्ष अशोक अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

बचपन में ही दांत और आंखों की जांच होती रहे तो परेशानी नहीं होती है: डॉ अरुण पराशर

इंदिरापुरम स्थित जेकेजी इंटरनेशनल स्कूल में लगा दो दिवसीय दांत व आंख जांच शिविर

गाजियाबाद। मैक्स सुपर स्पेश्यालिटी हॉस्पिल ने आरएचएएम फाउंडेशन और रोटरी हेल्थ अवेयरनेस मिशन के सहयोग से शक्तिखंड-द्वितीय, इंदिरापुरम स्थित जेकेजी इंटरनेशनल स्कूल में दो दिवसीय दांत और नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया।

शिविर में मैक्स हॉस्पिटल के जनरल फिजिशियन डॉ. अरुण पराशर, दांत रोग विशेषज्ञ डॉ. स्वाति वर्मा और ऑपटम डॉ. आमिर ने सैंकड़ों बच्चों के दांत व आंखों की जांच की। प्रोजेक्ट कोर्डिनेटर वरुण गौड़ ने बताया कि 16 और 17 मई को आयोजित शिविर में तीन सौ से ज्यादा बच्चों के दांत व आंखों की जांच कराई गई। अपने सामाजिक दायित्व के तहत आरएचएएम फाउंडेशन ने स्कूली बच्चों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता लाने के लिए समय समय पर कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इसी के तहत दो दिवसीय दांत व आंख जांच शिविर का आयोजन किया गया। मैक्स अस्पताल के जनरल फिजिशियन डॉ. अरुण पराशर ने कहा कि बचपन में ही अगर दांतों और आंखों की जांच निरंतर होती रहे तो इससे संबंधित कोई भी शिकायत या बीमारी को रोका जा सकता है।

दांत और आंखों की बीमारी लापरवाही से होती है। बचपन में की जाने वाली लापरवाही का खामियाजा बाद में भुगतना पड़ता है।

शेष खबर पृष्ठ 8 पर.....

देश के निजी स्कूलों एवं हॉस्पिटलों का राष्ट्रीयकरण करे सरकार: सीमा त्यागी

सस्ती शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाएं भारत की जनता का मौलिक अधिकार

गाजियाबाद। भारत की जनता की दो मूलभूत आवश्यकताए है सस्ती और सुलभ शिक्षा एवम स्वास्थ्य सेवाएं जिन्हें हम देश की जनता का मौलिक अधिकार भी कहते है सस्ते और सुलभ रूप में इन दोनों अहम सुविधाओं को हासिल करने का एक ही श्रोत माना जाता है वो है देश के सरकारी स्कूल और सरकारी अस्पताल हमेशा से शिक्षा एवम स्वास्थ्य जैसी मूलभूत सुविधाओ को जनता तक पहुँचाना शुद्ध रूप से समाज सेवा की श्रेणी में रखा जाता है लेकिन जब से पूंजीपतियों और उधोगपतियों की नजर शिक्षा एवम स्वास्थ्य जैसी मूलभूत सुविधाओं पर पड़ी है तभी से इन दोनों सुविधाओ को मोटी कमाई का साधन बना इनको व्यापर का रूप दे दिया है हम सभी जानते है इन दोनों सविधाओं को पाने के लिए देश की जनता को मोटी रकम खर्च करनी पड़ रही है आप कह सकते है कि आम आदमी अपनी कमाई का लगभग 50 से 60 प्रतिशत आमदनी का हिस्सा शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी मूलभूत सुविधाओं को पाने के लिए खर्च करने के लिए मजबूर है।

देश में जिस प्रकार तेजी से निजी स्कूल खुलते जा रहे ठीक उसी प्रकार निजी हॉस्पिटल की संख्या भी तेजी से बढ़ रही है देश की जनता अपने टैक्स का पैसा सरकारी स्कूलों और हॉस्पिटलों पर खर्च होते देखना चाहती है देश की जनता चाहती है कि देश के प्रत्येक राज्य में ज्यादा से ज्यादा सरकारी स्कूल और सरकारी अस्पताल खोले जाये

जिससे कि देश के आम नागरिक को ये सुविधाएं बहुत कम पैसा खर्च करके मिल सके लेकिन जहाँ भारत मे सरकारी स्कूलों की संख्या तेजी से घट रही है वही सरकारी अस्पताल भी मूलभूत सुविधाओं के अभाव में दम तोड़ते नजर आ रहे अगर हम गोर करे तो ये निजी स्कूलों और हॉस्पिटलों को बढ़ावा देने के लिए एक बड़ा षडयंत्र नजर आता है क्योकि इन दोनों व्यवसाय से पूंजीपतियों और उधोगपतियों के तार सीधे सरकार में बैठे नीतिनिराधरको से जुड़े है जिसके कारण इन दोनों पर सरकार का नियंत्रण न के बराबर है और यही कारण है कि देश मे शिक्षा और स्वास्थ्य के नाम पर सुविधा देने के व्यापार ने आम आदमी की कमर तोड़ कर रख दी है।

इन दोनों सुविधाओ के महंगे होने के कारण जहाँ देश के लाखों बच्चे शिक्षा के अधिकार से वंचित रह जाते है वही हर वर्ष हजारों महिला - पुरुष और बच्चे महेंगे इलाज के कारण दम तोड़ देते है इसलिए अब समय आ गया है कि सरकार को देश के निजी स्कूलों और निजी अस्पतालों का राष्ट्रीयकरण करके पूरी तरीके से अपने नियंत्रण में लेने की प्रक्रिया प्रारम्भ करनी चाहिए जिससे की देश की जनता राहत की सांस ले सके सरकार देश के निजी स्कूलों और हॉस्पिटलों का राष्ट्रीयकरण करके देश की आम जनता को एक बड़ी राहत प्रदान कर सकता है और इसके माध्यम से हम देश मे व्याप्त भ्रष्टाचार पर भी कड़ा प्रहार कर सकते है।

मेरा देश के प्रधानमंत्री से आग्रह है कि देश के निजी स्कूलों और निजी हॉस्पिटलों को राष्ट्रीयकरण करने की नीति बनाने पर गंभीरता से विचार कर देश को विश्व गुरु बनाने के सपने को साकार करने के संकल्प को पूर्ण आहुति दे।

यज्ञ/हवन कर ग्रीष्मकालीन अवकाश की घोषणा की गई

गाजियाबाद। ममता की छांव सेवा ट्रस्ट (पंजी.) द्वारा इस वर्ष से एक नई पहल की शुरूआत की गई। मंगलवार को ट्रस्ट द्वारा रविदास कालोनी, पुराना विजय नगर में संचालित ₹इन्दू शिशु विद्या सदन₹ में शिक्षण सत्र की समाप्ति पर वैदिक यज्ञ/हवन का आयोजन किया गया। जिसके द्वारा पर्यावरण शुद्धि, सभी के कल्याण व सुख शांति की मंगल कामना के साथ- साथ विद्यालय / ट्रस्ट परिवार के उन सदस्यों के लिए भी सामूहिक विशेष आहूतियों के साथ मंगल कामनाएँ की गई जिनके जन्मदिन/शादी की वर्षगाँठ माह मई 2023 के अन्दर है।

याज्ञिक एवं स्कूल समिति के प्रबंधक डा. राज कुमार आर्य ने मंगल कामनाओं के साथ- साथ यज्ञ की महत्ता के बारे में विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि हिंदू शास्त्रों के अनुसार यज्ञ ही संसार का श्रेष्ठतम कार्य है जिसके करने से सभी को लाभ होता है। विद्यालय परिसर में हवन का नियमित आयोजन बच्चों में अच्छे संस्कार देने में महत्वपूर्ण भूमिका रखता है।

इस तरह का कार्यक्रम भविष्य में प्रत्येक माह में होने वाले सभी के जन्मदिवस और वैवाहिक वर्षगांठ को संयुक्त रूप से हवन करके मनाया जाएगा । इसी के साथ स्कूल के ग्रीष्म काल के अवकाश की भी घोषणा कर दी गई है। इस कार्यक्रम में आए हुए सभी अतिथि गण और शिक्षक और शिक्षिकाओं का स्वागत स्कूल की छात्रा कशिश ने तिलक लगाकर और गुनगुन ने सभी के ऊपर फूलों की वर्षा करके की। इस हवन में स्कूल के सभी बच्चे शिक्षक-शिक्षिकाएं और ट्रस्ट के पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित रहे। डॉ. राजकुमार आर्य ने बताया कि हवन एक ऐसा आयोजन एवं आध्यात्मिक पर्व है जो हर किसी को लाभ पहुंचाता है। जिसने हवन ना भी किया हो तो भी वह हवन से उठने वाले धुएं के रूप में पवित्र और सकारात्मक ऊर्जा जब चारों तरफ फैलती है तो वह सभी को लाभान्वित करती है। उन्होंने कहा कि कोरोना में हवन द्वारा पूरे वातावरण को पवित्र और निरोगी रखने में बहुत सहायता मिली।

कार्यक्रम में ट्रस्ट व स्कूल के मुख्य संरक्षक मेघ राज अरोड़ा, कोषाध्यक्ष एम. एल. त्रिपाठी, संरक्षक स्वरुप नारायण,कार्यालय प्रमुख बी.डी. सागर, ट्रस्टी मुन्नी लाल बरनवाल, उपाध्यक्ष मंजू त्रिपाठी, सुशीला सागर,सुधा रानी, ट्रस्ट के मीडिया प्रभारी सुशील कुमार शर्मा (स्वतंत्र पत्रकार), ट्रस्ट की सचिव व स्कूल की प्रधानाचार्या सीमा शर्मा, उप प्रधानाचार्य मंजू मल्होत्रा, स्कूल समिति की सह प्रबंधक और योग शिक्षिका अर्चना शर्मा, शिक्षक राजेश सिंह, आयुष कुमार, शिक्षिका शिवानी व प्रिया सेठ, इसके अतिरिक्त संजीव सनातनी, पुनीत जैन,गजय सिंह, सुखबीर सिंह प्रजापति,गौरव गुप्ता, सतीश गुप्ता व विजय नगर वार्ड नंबर 3 के विजयी पार्षद भारत गौतम भी उपस्थित रहे। हवन के पश्चात सभी आगंतुकों और बच्चों को प्रसाद वितरण गया।

नगर आयुक्त ने लिया शहर के विकास कार्यों का जायजा, अधिकारियों को दिए समय से कार्य करने के निर्देश

गाजियाबाद। गाजियाबाद नगर निगम के नगर आयुक्त डॉ नितिन गौड़ द्वारा शहर के विकास कार्यों का लगातार जायजा लिया जाता है जिस के क्रम में कवि नगर जोन के अंतर्गत निरीक्षण किया गया आरडीसी फ्लाईओवर, विवेकानंद नगर तथा नासिक पुर फाटक का जायजा लिया गया, मौके पर संबंधित अधिकारी भी उपस्थित रहे।

गाजियाबाद नगर निगम सीमा अंतर्गत चल रहे विकास कार्यों पर नगर आयुक्त महोदय नजर बनाए रखते हैं। समय-समय पर चल रही योजनाओं पर निरीक्षण अधिकारियों सहित करते हैं स्वदेशी पॉलिटेक द्वारा विवेकानंद नगर में किए जा रहे कार्यों का भी निरीक्षण किया गया, नासिर पुर फाटक पर ट्रिपल आर के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों का जायजा लिया, इसी क्रम को आगे बढ़ाते हुए आरडीसी फ्लाईओवर के नीचे खिलाड़ियों के लिए बनाए जा रहे स्पोर्ट कंपलेक्स का भी जायजा लिया गया नगर आयुक्त महोदय द्वारा निर्माण विभाग के अधिकारियों को समय से कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। गाजियाबाद नगर निगम सीमा अंतर्गत नगर आयुक्त के निर्देश अनुसार कई योजनाओं पर कार्य अधिकारियों द्वारा किए जा रहे हैं जिसमें जनप्रतिनिधियों का भी विशेष सहयोग प्राप्त हो रहा है जो कि सराहनीय है निरीक्षण के दौरान मुख्य अभियंता निर्माण एनके चौधरी तथा अन्य निर्माण विभाग की टीम उपस्थित रही।

बढ़ती गर्मी में निगम ने पशु-पक्षियों के लिए की पानी की व्यवस्था, नगर आयुक्त ने की शहर वासियों से सहयोग की अपील

गाजियाबाद। गाजियाबाद नगर निगम द्वारा नगर आयुक्त के निर्देश के क्रम में पशु पक्षियों के लिए पेयजल व्यवस्था की है जिसमें उनके द्वारा कई स्थानों पर पशु पक्षियों के लिए पानी भर कर रखा है ताकि बढ़ती गर्मी से प्यासे पशु पक्षियों को पानी प्राप्त हो सके इसी के चलते नगर आयुक्त द्वारा शहरवासियों से भी अपने अपने घरों के बाहर, अपने अपने प्रतिष्ठानों के बाहर पशु पक्षियों के लिए पानी व्यवस्था करने के लिए अपील की गई है, शहर में लगभग 50 स्थानों पर निगम द्वारा पशुओं के लिए पेयजल की व्यवस्था कराई गई है नगर आयुक्त डॉ नितिन गौड़ द्वारा संबंधित अधिकारियों को और अधिक व्यवस्था बेहतर करने के निर्देश दिए गए हैं।

नगर आयुक्त डॉ नितिन गौड़ द्वारा बताया गया कि नंदी पार्कों में गौशालाओं में गोवंश हेतु पेयजल की व्यवस्था निगम द्वारा बेहतर कराई जा रही है जिस के क्रम में ही ऐसी पशु पक्षी जो सड़कों पर रहते हैं उनके लिए भी पेयजल व्यवस्था निगम द्वारा कराई जा रही है साथ ही शहर में कई निवासियों द्वारा पशु पक्षियों के लिए पेयजल की व्यवस्था कराई जाती है जोकि सराहनीय है अन्य शहरवासियों से भी पशु पक्षियों के पेयजल आपूर्ति हेतु व्यवस्था करने के लिए अपील की गई है ताकि ऐसे पशु पक्षी जो निराश्रित हैं उनको भी

पानी की व्यवस्था हो सके।

गाजियाबाद नगर निगम द्वारा जनप्रतिनिधियों के सहयोग से पशु पक्षियों का विशेष ध्यान रखने का प्रयास कर रहे हैं। नगर आयुक्त महोदय के निदेर्शानुसार लगातार इस व्यवस्था को और अधिक मजबूत किया जाएगा ताकि शहर में निराश्रित पशु पक्षियों को जलापूर्ति आसानी से हो सके जिसमें जनभागीदारीता भी सुनिश्चित कराई जा रही है जो कि एक सराहनीय पहल है।

तहसीलों की कार्यप्रणाली में व्यापक सुधार जरूरी, समयबद्धता और पारदर्शिता पर हो जोर: मुख्यमंत्री

वरासत/उत्तराधिकार के प्रकरण न रखें लंबित, समय सीमा के भीतर हो निस्तारण: मुख्यमंत्री

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को शासन स्तर के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ जनहित में संचालित विभागीय योजनाओं की प्रगति समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। ग्रामीण क्षेत्रों ने स्वास्थ्य सेवाओं की सहज-सुलभ उपलब्धता के लिए टेलीकन्सल्टेशन और हेल्थ एटीएम की सुविधाओं को बढ़ाया जाए।इससे बीमारी की दशा में रिमोट एरिया के लोगों को अच्छे डॉक्टरों का परामर्श मिल सकेगा। हेल्थ एटीएम के लिए प्रशिक्षित मैनपॉवर तैनात किया जाए। टेलीकन्सल्टेशन सेवा को विस्तार देते हुए इसके बारे में लोगों को जागरूक किया जाए।

तहसीलों की कार्यप्रणाली में बड़े सुधार की आवश्यकता है। हमें पारदर्शिता, समयबद्धता को लेकर ठोस प्रयास करना होगा। शिकायतों/समस्थाओं का निस्तारण

एक समय सीमा के भीतर होना चाहिए। डिजिटाइजेशन को बढ़ावा दिया जाए। वरासत/उत्तराधिकार से जुड़े प्रकरणों को अनावश्यक लंबित न रखा जाए। आमजन की अपेक्षाओं का ध्यान रखते हुए तहसीलों की कार्यप्रणाली में सुधार के लिए विस्तृत कार्ययोजना तैयार कर प्रस्तुत की जाए।

प्रदेश में निवेश कर रहीं औद्योगिक इकाइयों को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा इंसेंटिव प्रदान किया जा रहा है। ऐसे सभी प्रकरणों की गहन समीक्षा कर बिना बिलंब यथोचित समाधान किया जाए। औद्योगिक विकास विभाग द्वारा इसे शीर्ष प्राथमिकता देते हुए निस्तारित किया जाए।

अप्रैल माह में संचालित संचारी रोग अभियान का आम जन के बीच अच्छा संदेश गया है। लोगों में संक्रामक, संचारी रोगों के प्रति जागरूकता बढ़ी है। हमें ऐसे ही प्रयास लगातार जारी रखने होंगे। गोरखपुर, बस्ती और देवीपाटन मंडल में इंसेफेलाइटिस, बरेली व आस-पास के मंडल में मलेरिया तथा बुंदेलखंड में चिकनगुनिया से बचाव के लिए सक्रियता और बढ़ाई जाए। इंसेफेलाइटिस से बचाव के लिए जैसा प्रयास इन क्षेत्रों में भी किया जाए। साफ-सफाई और शुद्ध पेयजल के सेवन के लिए लोगों को जागरूक करें। बाल रोग विशेषज्ञों का भी सहयोग लें।

प्रदेश के किसी भी जनपद में अवैध टैक्सी स्टैंड, बस स्टैंड/रिक्शा स्टैंड संचालित नहीं होना चाहिए। ऐसे स्टैंड अवैध वसूली होने को बढ़ावा देते हैं। यह वसूली समाजविरोधी कार्यों में उपयोग होती है।

जहां कहीं भी ऐसी गतिविधियां संचालित हो रही हों, उन्हें तत्काल बंद कराया जाए। टैक्सी स्टैंड के लिए ठेकेदार स्थान निर्धारित करें। शहरों में ई-रिक्शा के लिए रूट तय किया जाना जरूरी है।

स्वामित्व, घरौनी और वरासत जैसे कार्यक्रमों ने आमजनमानस को बड़ी सुविधा प्रदान करने में सफलता प्राप्त की है। अब तक 56.17 लाख से अधिक ग्रामीणों को घरौनी वितरित की जा चुकी है। मात्र 15 राजस्व गांवों में सर्वेक्षण का कार्य शेष है, इसे भी यथाशीघ्र पूरा कर लिया जाए। हमारा लक्ष्य हो कि इस वर्ष के अंत तक सभी पात्र ग्रामीणों को उनके घरों का मालिकाना हक देने वाला प्रमाण पत्र ₹घरौनी₹ मिल जाए।

सभी गो-आश्रय स्थलों में व्यवस्था सुचारु रखी जाए। हरा चारा-भूसा आदि के समुचित प्रबंध हों। गोवंश को गर्मी अथवा धूप से सुरक्षित रखने के प्रबंध किए जाएं। डेयरी सेक्टर में रोजगार सृजन का बड़ा पोटेंशियल है। इसे दृष्टिगत रखते हुए नवाचारों को प्रोत्साहित किया जाए।

ब्रांडेड कंपनियों के नाम पर गुटखा बनाने वाले व्यापारियों का भंडाफोड़

गाजियाबाद। देश की प्रतिष्टित दो कंपनियों के नाम पर नकली गुटखा तैयार कर बेचने वाले व्यापारियों का भंडाफोड़ करते हुए मोदीनगर पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके पास से लाखों की कीमत का पान मसाला जर्दा, खाली पाउच व गुटखा तैयार करने की सामग्री बरामद की है।

मोदीनगर क्षेत्र स्थित गांव बखरवा में किराए का मकान लेकर आरोपी नकली माल तैयार कर उत्तराखंड और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के विभिन्न इलाकों में सप्लाई करते थे।

दिलबाग व विमल कंपनी के लीगल ऑफिसर सिद्धार्थ की शिकायत पर मोदीनगर पुलिस द्वारा तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया जिनका नाम रोहित अग्रवाल निवासी तिबड़ा रोड़, विक्रांत पांचाल व दिनेश पांचाल निवासी दिल्ली बताया गया। तीनों आरोपियों के पास से नकली गुटके बनाने का विभिन्न सामान बरामद हुआ है जिनमें 55 किलो जर्दा 80 किलो पान मसाला एवं दिलबाग व विमल कंपनी के खाली रैपर सहित गुटके पैकिंग करने की मशीन आदि सामान बरामद किया गया।

पुलिस के मुताबिक के मुताबिक यह कार्रवाई विमल दिलबाग कंपनी के लीगल ऑफिसर सिद्धार्थ की शिकायत पर की गई।

'उपवास क्यों और कैसे ?' विषय पर गोष्ठी संपन्न

उपवास शारीरिक,आत्मिक, आध्यात्मिक उन्नति का माध्यम है: आचार्य श्रुति सेतिया

गाजियाबाद। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के तत्वावधान में 'उपवास क्यों और कैसे?' विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया।यह कोरोना काल से 535 वाँ वेबिनार था। मुख्य वक्ता आचार्य श्रुति सेतिया ने कहा कि उपवास मन,शरीर की शुद्धि का माध्यम है।उन्होंने कहा कि उपवास का अभिप्राय शरीर के पाचन संस्थान को पूर्ण विश्राम देना है।वस्तुतः उपवास काल में ही उसे विश्राम मिलता भी है, क्योंकि साधारणतया हम प्रतिदिन अपना पेट दो तीन बार भरा करते हैं जिससे हमारा पाचन संस्थान हमेशा काम किया ही करता है, तो उपवास प्राकृतिक स्थिति है, प्रकृत्ति की माँग है। पशु-पक्षी आदि सभी जीव धारियों को उपवास की आवश्यकता पड़ती है जो स्वाभाविक है।रोगी-पशु रोगी- मनुष्य से अधिक समझदार होता है जो रोग व्यवस्था में अच्छे से अच्छे चारे की तरफ उसे खाना तो दूर देखता तक नहीं है वह समझता है रोग अवस्था में कुछ खाना विष और कुछ न खाकर उपवास करना अमृत तथा रोग की औषधि है।हम जब बीमार पड़ते हैं तो हमारी

भी भूख स्वभावतः बंद हो जाती है,पर हम प्रकृति के आदेश को नहीं मानते और रोगी होने पर कुछ न कुछ खाते ही रहते हैं जिससे दुख पाते हैं।उपवास काल में शरीर की सारी की सारी जीवनी शक्ति केवल रोगों को दूर करने में लग जाती है और उसे दूर करके ही दम लेती है। बहुत से लोग उपवास को भूखों मरना समझकर बड़ी भूल करते हैं।हमें जानना चाहिए कि उपवास काल में यही विष सर्वप्रथम नाश को प्राप्त होता है,तदोपरांत उन संचित पदार्थों से शरीर अपना काम लेने लगता है जो उसकी प्रकृति ने विशेष आवश्यकता पड़ने पर काम में आने के लिए पहले से शरीर में जमा करके रखा होता है।उपवास शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक स्वच्छता के लिए अपूर्व एवं एक ही उपाय है,सही,किंतु उसका पूरा पूरा लाभ वही उठा सकता है जो उपवास कला का पूर्ण मर्मज्ञ हो।उपवास विज्ञान का वास्तविक ज्ञान न होने पर उपवास के नियमों में व्यतिक्रम होने के कारण अथवा उसका ठीक पालन न हो सकने के कारण कितने ही उपवासियों को जान से भी हाथ धोना पड़ा है। प्रातःकालीन उपवास से लेकर दीर्घ उपवास तक 13 तरह के उपवास किए जाते हैं। उपवास कितने दिनों का करना चाहिए, यह उपवास करने वाले की प्रकृति,आवश्यकता तथा उपवास के प्रकार पर निर्भर करता है। अतः इसके लिए कोई विशेष नियम नहीं बनाया जा सकता। साधारणतया कोई भी 5 सात दिनों का पूर्ण उपवास कर सकता है।उत्तम स्वास्थ्य के चाहने वालों को सप्ताह में एक दिन रविवार को,प्रतिमाह की दो एकादशियों को तथा प्रति वर्ष आठ दस या पंद्रह दिनों का पूर्ण उपवास नियमित रूप से करते रहना चाहिए।

नवनिर्वाचित महापौर सुनीता दयाल ने पूजा अर्चना कर बाबा दूधेश्वर का लिया आशीर्वाद

गाजियाबाद। गाजियाबाद स्थित प्राचीन सिद्ध पीठ श्री दूधेश्वर नाथ मंदिर में उत्तर प्रदेश में हुए नगर निगम चुनाव में गाजियाबाद से महापौर चुनाव में भारी मतों विजय होने पर मंगलवार को सुनीता दयाल ने देवाधिदेव बाबा दूधेश्वर नाथ मंदिर पहुंची एवं आचार्य द्वारा मंत्रोच्चारण के साथ उन्होंने भगवान दूधेश्वर कि पुजा

अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किया। महापौर ने नवनिर्वाचित होने पर गाजियाबाद की जनता का आभार व्यक्त किया एवं मंदिर के मठाधीश श्री नारायण गिरि जी महाराज ने भी शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी महाराज के नेतृत्व मे गाजियाबाद का विकास और तेजी हो यह उम्मीद करते हैं इस अवसर पर मंदिर समिति द्वारा महापौर सुनीता दयाल का बाबा दूधेश्वर भगवान का मोमेंटो एवं माला चुनरी ओढ़ाकर सम्मान किया गया। इस अवसर पर विजय मित्तल अध्यक्ष सिंगार सेवा समिति अजय चोपड़ा समाजसेवी, शंकर झा कार्यालय प्रभारी, इंदरजीत सिंह, रामगोपाल, विनीता पाल भाजपा महिला मोर्चा एवं एस आर सुथार मीडिया प्रभारी श्रीदुधेश्वरनाथ मंदिर अन्य भगत गण मौजूद रहे।

Editorial

Sweet Threat

During the last few decades, many types of studies have been done on the questions of health related to lifestyle. In order to treat or prevent a disease, it is usually advised in all medical methods that what changes should be made in the diet or what food and drink should be avoided. Apart from this, advertisements of many products present in the market claim that it is possible to prevent a particular disease by its use. The question is whether the products available in the market, making various claims regarding food and drink, are really helpful in curing any disease? Or else they create a new complication in the body. The World Health Organization (WHO) has issued a new warning on Tuesday regarding non-sugar sweeteners, it is time to be careful for those people who, by consuming such artificial sweeteners, assume that they have added sugar to the body. Satisfied the need of sweet and they were also saved from using sugar. During the last few decades, many types of studies have been done on the questions of health related to lifestyle. Special concern has been expressed especially about diabetes and heart diseases and maximum emphasis has been given on diet and balance in food. In this sequence, the option of artificial sweeteners became popular among the risk of diabetes. Now the WHO has issued a warning about the use of commonly used sweeteners or non-sugar sweeteners to control body weight or reduce the risk of non-communicable diseases. According to the WHO, the new recommendation on the consumption of non-sugar sweeteners is based on the results of a review of the available evidence. This suggests that its use does not provide any long-term benefit in reducing body weight in adults or children. Rather, the results of the study have also revealed the fact that its use for a long time can have fatal effects.

Dr. Dheeraj Kumar Bhargava

Kohli's chat with Ponting a warning for Australia

New Delhi. Australia legend Ricky Ponting has revealed Virat Kohli feels he 'back to his absolute best' and said his wicket would be the most prized by Australian players in the upcoming ICC World Test Championship 2023 Final.

Ponting was speaking at the official curtain raiser for the event in New Delhi on Friday morning. The most successful men's Australian captain unveiled the Test Mace – the coveted trophy India and Australia are vying for – and then interacted with local academy kids and the media in an event organised by the ICC.

Ponting is set to head back home following Delhi Capitals' final game of IPL 2023 against Chennai Super Kings on Saturday. Still, he said he "can't wait" to get to London shortly after that in his capacity as a commentator for the WTC23 Final.

The 48-year-old looked visibly excited about the prospect of watching high-quality Test cricket at The Oval from June 7, in particular the match-ups between some of the best in the business, the ICC reported.

One of them being India No.4 Kohli. The 34-year-old has been irresistible since he found form – he scored his sixth IPL century against Sunrisers Hyderabad on Thursday – and Ponting believes that spells trouble for Australia. "I caught up with Virat about a month ago when we played them in Bangalore," said Ponting. "And I had a good chat to him about his batting and where he was at and his career. And he said to me then that he actually feels like he's almost back to his absolute best." "You probably saw that last night, you know, he's had a very good IPL and I'm sure he'll be the prize wicket that all the Australians are looking are looking forward to," Ponting said. India will be missing some key players for The Ultimate Test – Rishabh Pant is a long-term absentee, KL Rahul was ruled out of the Final after sustaining an injury in the IPL, and Jasprit Bumrah is continuing his rehabilitation from a back problem. That in mind, Ponting said the Final would revolve around the contest between India's top order and Australia's pace attack.

Ponting says there is a lot on line in ICC World Test Championship Final

New Delhi. International Cricket Council Hall of Famer Ricky Ponting on Friday said that the anticipation for the ICC World Test Championship (WTC) Final was palpable and that fans should expect an exciting contest next month when Australia and India clash at The Oval. Ponting, who is an ambassador for the WTC Final, was speaking at a media event in New Delhi, during which he also interacted with aspiring young cricketers, speaking to them about the importance of the longest format of the game. "The fact that we are here today, about 20 days out from the World Test Championship Final starting 7 June, I think it goes to show what sort of excitement there is around this one-off Test match really. I think the ICC has to be applauded for making this possible," Ponting said.

"Obviously we know that New Zealand were too good a couple of years ago and now we see the two best teams over the last two years in Australia and India go head-to-head at The Oval." he said. The WTC Final, to be played from June 7 to 11 with the provision of a reserve day, is the culmination of a two-year cycle that featured the world's top nine teams and saw 69 Tests played across continents.

The final at The Oval will be the first neutral Test to be played at the iconic venue and the first time that Australia and India will play at a neutral venue. "This won't just be an everyday, ordinary Test match. There's a lot more on the line here. Both teams will want to be recognised as being the best Test team in the world over these last couple of years," Ponting said.

"So, it's fantastic to think that you have Australia and India playing at a neutral venue in a one-off Test. And the winner will be holding that thing (Mace) up at the end.

I think it becomes ultra-exciting," he said. Ponting felt the Australia-India rivalry was now as big as any other in international cricket. "That rivalry has grown and grown and grown to the point now where you actually hear a lot of the younger Australian players' talk that that rivalry is almost as big as the Australia-England rivalry," he added. India are playing Australia in what will be their second successive WTC Final, having lost to New Zealand last time in Southampton two years ago.

Indian Junior Men's Hockey Team leaves for Men's Junior Asia Cup

Bengaluru. With an eye on the title, an upbeat Indian Junior Men's Hockey Team left for the highly anticipated Men's Junior Asia Cup 2023 in Salalah, Oman on Friday from the Kempegowda International Airport, here. India has been grouped in pool A along with nemesis Pakistan, Japan, Thailand and Chinese Taipei, while Korea, Malaysia, Oman, Bangladesh and Uzbekistan will form pool B of the tournament which is scheduled to take place from May 23 to June 1.

The team led by Uttam Singh and Vice Captained by Boby Singh Dhami will be riding high on confidence following their outstanding victory at the 10th Sultan of Johor Cup. Reflecting the team's excitement ahead of the tournament, Captain Uttam Singh said, "We have been looking forward to this tournament especially after working so hard over the past few months. With the Senior India team also camping in SAI, Bengaluru, we were able to play some high intensity matches against them which has helped us in our preparations." "Also, winning the Sultan of Johor Cup last year has certainly boosted our confidence and we are now excited to play against some of the top teams in Asia," he added. He further emphasized that the team has a good mix of experienced players which will give them an edge over the other teams. "Quite a few of us in the squad have gained good international exposure over the past three to four years with some of us also making our Senior Team debut. The experiences from these matches will hold us in good stead and also help us guide the new players in the squad in crunch situations," Uttam said. The Men's Junior Asia Cup 2023 is a crucial competition for the participants as it will serve as the qualifying event for the forthcoming FIH Junior Men's World Cup 2023, which is set to be played in Malaysia in December this year.

किसानों की बढ़ी आय, तो योगी सरकार को भी हुआ बड़ा फायदा

उपज के भंडारण से योगी सरकार ने कमाया करीब चार करोड़ का लाभांश

लखनऊ। कोरोना काल में जब पूरी दुनिया भयभीत और आशंकित थी, उस वक्त भी प्रदेश के किसानों के परिश्रम ने ना सिफ उनके भविष्य को सुरक्षित बनाया, बल्कि सरकार को फायदा कमा कर भी दिया। किसानों की आय को ढाई गुना करने के मिशन में जुटी योगी सरकार पर कोरोना काल में भी किसानों ने विश्वास जताते हुए रिकॉर्ड खाद्यान्न भंडारण किया, जिससे 2018 से लेकर 2021 तक सरकार को करीब चार करोड़ रुपये का लाभांश प्राप्त हुआ है। शुक्रवार को राज्य भंडारण निगम के अध्यक्ष और प्रदेश के सहकारिता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जेपीएस राठौर ने मुख्यमंत्री को लाभांश 3,88,63,440 रुपये का चेक प्रदान किया। उप्र राज्य भण्डारण निगम की ओर से वर्ष 2018-19

में 90.36 करोड़ रुपए, वर्ष 2019-20 में 112.01 करोड़ रुपए एवं वर्ष 2020-21 में 165.53 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ अर्जित किया गया है।

168 भण्डारगृहों को डल्यूडीआरए में पंजीकृत कराया गया

निगम की ओर से बताया गया कि भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार की नीति के अनुरुप कृषकों की आय को दोगुना करने के लक्ष्य की प्राप्ति के क्रम में 168 भण्डारगृहों को डल्यूडीआरए (भण्डारागार विकास विनियामक प्राधिकरण) में पंजीकृत कराया गया है। इन भण्डारगृहों में कृषकों के उत्पादों को भण्डारित करने पर किसानों को एनडब्लूआर (निगोशियेबिल वेयरहाउसिंग रसीद) का लाभ प्राप्त होता है। किसान अपना जितना भी कृषि उत्पाद डब्लूडीआरए के अर्न्तगत भण्डारित करेगा, भण्डारगृह द्वारा उतनी मात्रा की एनडब्लूआर (निगोशियेबिल वेयरहाउसिंग रसीद) जारी कर किसानों को उपलब्ध करायी जाएगी।

भण्डारण क्षमता में लगातार वृद्धि कर रही योगी सरकार

बता दें कि कृषक एनडब्लूआर को बंधक रखकर किसी भी बैंक से भण्डारित खाद्यान्न के सापेक्ष 90 प्रतिशत ऋण प्राप्त कर सकता है। इसके अलावा एनडब्लूआर को किसी अन्य को देकर उससे एनडब्लूआर में उल्लिखित कृषि उत्पाद का मूल्य भी प्राप्त कर सकता है। यही नहीं किसान अपने कृषि उत्पाद का उचित बाजार मूल्य होने पर ट्रेडिंग के माध्यम से देश की किसी भी मण्डी में अपनी उपज को बेच सकता है। निगम की ओर से बताया गया कि भण्डारण की समस्या के निदान के लिए योगी सरकार की योजनाओं के अर्न्तगत भारतीय खाद्य निगम से गारण्टी प्राप्त कर अपनी भण्डारण क्षमता में लगातार वृद्धि की जा रही है। वर्तमान समय में निगम की भण्डारण क्षमता लगभग 36.50 लाख मीट्रिक टन है तथा लगभग 7.80 लाख मीट्रिक टन क्षमता निमाणार्धीन है, जो शीघ्र ही भण्डारण के लिए उपलब्ध होगी।

मुख्यमंत्री से मिलने वालों में प्रमुख सचिव सहकारिता विभाग, बीएल मीणा, निगम के प्रबन्ध निदेशक श्रीकान्त गोस्वामी, महाप्रबंधक दीपक सिंह, महाप्रबंधक (वित्त) संतोष श्रीवास्तव और मनोज कुमार सिंह शामिल रहे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जनपद के गैर सहायतित मान्यता प्राप्त प्राइवेट विद्यालयों की अति महत्वपूर्ण बैठक संपन्न

आरटीई प्रक्रिया के द्वारा दाखिले के संबंध में दिए आवश्यक दिशा निर्देश

गाजियाबाद। जिलाधिकारी राकेश कुमार सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट के महात्मा गांधी सभागार में सत्र 2023-24 में आर0टी0ई0 के अन्तर्गत जनपद में अलाभित समूह/दुर्बल वर्ग के बच्चों के दाखिलों से संबंधित महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने विद्यालयों के प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए कहा कि जनपद में अधिक से अधिक अलाभित समूह/दुर्बल वर्ग के बच्चों को दाखिला दिलाने के लिए जिला प्रशासन एवं शिक्षा विभाग पूर्ण निष्ठा से कार्यरत है, जिसमें सभी स्कूलों का सहयोग अपेक्षनीय है। बैठक में बेसिक शिक्षा अधिकारी विनोद कुमार मिश्रा ने सभी को अवगत कराया कि सर्वविदित संबंधित विद्यालयों की मान्यता सी0बी0एस0ई0 बोर्ड प्रदान करता है किंतु कक्षा 01 से कक्षा 08 तक की मान्यता बेसिक शिक्षा विभाग की मान्यता के पश्चात ही सी0बी0एस0ई0 बोर्ड से मान्यता प्राप्त होती है। अतः राइट टू एजुकेशन के तहत यदि कोई विद्यालय निदेशों की अवमानना करता है तो विभाग द्वारा दी गई मान्यता को रद्द करने की संस्तुति अमल में लाई जाएगी क्योंकि शिक्षा पाना प्रत्येक बच्चे का अधिकार और समाज की सम्मिलित जिम्मेदारी है। जिलाधिकारी राकेश कुमार सिंह ने अवगत कराया की अपर जिलाधिकारी नगर के कार्यालय में आर0टी0ई0 सेल संचालित कराया जा रहा है जिसमें संबंधित शिकायतों का समाधान किया जाएगा। पत्रों का संज्ञान जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी एवं अपर जिलाधिकारी नगर संयुक्त रूप से लेंगे तथा कृत कार्यवाही से प्रत्येक सप्ताह जिलाधिकारी को अवगत कराएंगे। उन्होंने बताया कि राइट टू एजुकेशन एक्ट का लाभ दुर्बल आय वर्ग

एवं अलाभित समूह के बच्चों को दिए जाने का प्रावधान है, प्रथम वर्ग में प्रतिवर्ष एक लाख से कम आय वाले अभिभावकों के बच्चों को तथा द्वितीय वर्ग में एस0सी0/एस0टी0 दिव्यांग या लाइलाज बीमारी से पीड़ित अभिभावकों के बच्चों को दाखिला कराने का प्रावधान है। द्वितीय समूह के बच्चों के प्रवेश में आय बाधा नहीं होगी। किसी भी दशा में आर0टी0ई0 का मुख्य उद्देश्य बाधित नहीं होना चाहिए। पात्र बच्चे का प्रवेश होना चाहिए। जनपद के कुछ गैर सहायतित मान्यता प्राप्त प्राइवेट विद्यालयों द्वारा उक्त कार्य में रूचि न लिए जाने पर जिलाधिकारी द्वारा संबंधित स्कूल प्रबंधन से आए हुए प्रतिनिधियों से कडी नाराजगी जताई गई। बैठक में दाखिलों से संबंधित कुछ विद्यालयों ने अपनी परेशानियाँ बताई जिस पर जिलाधिकारी ने उक्त कार्य में आने वाली परेशानियों का निवारण करने के लिए बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी नगर गंभीर सिंह द्वारा सकारात्मक पहल करते हुए जिन विद्यालयों ने आर0टी0ई0 प्रवेश में सराहनीय कार्य किया है उनकी भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए धन्यवाद दिया गया और कहा कि सभी धर्मों के जितने भी भगवान है चाहे वह नानक हो, गौतम बुद्ध हो, श्रीकृष्ण या मोहम्मद साहब हों सभी ने समाज को शिक्षा प्रदान कर समाज को सन्मार्ग दिखाया है। यदि हम देश भक्त हैं तो हमें देश की मुख्य संसाधन बच्चों के लिए शिक्षा की बेहतर व्यवस्था करना आवश्यक है। एक कहानी के माध्यम से उन्होंने सभी को संसाधन विहीन बच्चों को शिक्षा हेतु अपने विद्यालयों में प्रवेश देने की अपील की। तत्पश्चात क्रम से प्रत्येक विद्यालय के प्रतिनिधियों से प्राप्त शिकायत के आधार पर चर्चा की। कुछ विद्यालयों ने अपना पक्ष रखते हुए कहा कि हम अभी डाक्यूमेंट्स वेरीफाई करा रहे हैं इसका उत्तर उप जिलाधिकारी निखिल चक्रवर्ती ने दिया कि किसी भी विद्यालय को एक्ट के अनुसार डॉक्यूमेंट वेरीफाई कराने का अधिकार नहीं है, यदि आपको छात्र के अभिभावकों की आय पर कोई संशय है तो आप एक प्रार्थना पत्र जिला प्रशासन या फिर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय पर प्रेषित करें इसका निर्णय जिला प्रशासन द्वारा ही लिया जाएगा एवं दोषी को दंड देने की कार्यवाही अमल में लाई जाएगी। साथ ही उन्होंने सभी से आर0टी0ई0 एक्ट पढ़ने का निवेदन किया जिसमें स्पष्ट अंकित है कि यदि कोई विद्यालय ऐसा करता है तो 25,000 जुमार्ना किया जा सकता है इस कार्यवाही की पुनरावृति पर यह धनराशि बढ़ाकर 50,000 कर दी जाएगी।

पति ने दिया पत्नी को तीन तलाक बाद में अपने ही पिता से कराया हलाला

मोदीनगर। मोदीनगर क्षेत्र स्थित एक गांव में तीन तलाक का मामला सामने आया है पीड़ित युवती के अनुसार युवती के पति द्वारा तीन तलाक देने के बाद का ग्रामीणों के बीच हुई पंचायत मैं दोबारा से शादी पर सहमति जताते हुए पति ने अपने खुद के पिता से अपनी पत्नी का हलाला कराया। शिकायत मिलने पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी।

पीड़ित महिला द्वारा बताया गया कि उसका निकाह सन 2014 में मोदीनगर के निवाड़ी थाना क्षेत्र ग्राम सौंदा में मोहम्मद उमर उर्फ राहुल के साथ हुआ था जो कि शादी विवाह में आतिशबाजी का काम करता है। पीडिता ने बताया कि निकाह के तुरंत बाद से ही युवती से दहेज की मांग की जा रही थी और मांग पूरी ना होने पर युवती के साथ ससुराल पक्ष की ओर से मारपीट की जाती थी जिसकी सूचना उसने कई दफा अपने पिता को दी जिसके बाद लगभग 3 दफा पंचायत भी की गई लेकिन आरोपी पक्ष ने कुछ समय बाद ही युवती के साथ फिर से मारपीट करनी शुरू कर दी और मोटरसाइकिल की मांग की जाने लगी। जब

युवती के परिवार वालों ने आरोपी पक्ष की मांग पूरी नहीं की तो पीड़ित युवती के पति ने युवती को तीन तलाक दे दिया और अन्य युवती से दूसरा निकाह भी कर लिया । युवती ने इसकी सूचना अपने पिता को दी जिसके बाद फिर से पंचायत की गई और शरिया कानून के तहत युवती का हलाला के बाद फिर से पति के साथ निकाह करने पर रजामंदी बन गई। पीड़िता के पति ने पीड़िता का अपने ही पिता से हलाला भी करा दिया लेकिन उसके बावजूद पीड़िता को स्वीकारने से मना कर दिया जिसके बाद पीड़िता व उसके पिता ने भोजपुर थाने में आरोपियों की शिकायत की जिसके बाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

नवगठित सदन की तैयारियों में जुटा निगम, नगर आयुक्त ने सदन कक्ष का लिया जायजा रफ्तार से कार्य करने के दिये निर्देश

गाजियाबाद। गाजियाबाद नगर निगम मुख्यालय में स्थित सदन कक्ष का नगर आयुक्त डॉ नितिन गौड़ द्वारा जायजा लिया गया, वहां चल रहे कार्यों को रफ्तार देने के लिए नगर आयुक्त महोदय द्वारा संबंधित अधिकारी गणों को निर्देशित किया गया, नवनिर्वाचित सदन हेतु सदन कक्ष में मरम्मत, सफाई, पेंट इत्यादि कार्य चल रहे हैं जिनका जायजा स्वयं नगर आयुक्त महोदय द्वारा लिया गया।

गाजियाबाद नगर निगम मुख्यालय में निरीक्षण के दौरान अन्य कार्यालयों का भी नगर आयुक्त महोदय द्वारा जायजा लिया गया वहां पड़े वेस्ट को निस्तारित करने के लिए अपर नगर आयुक्त शिवपूजन यादव को निर्देशित किया गया, नगर आयुक्त महोदय द्वारा स्टोर का जायजा लिया गया जहां पर पुराने खराब कंप्यूटर खराब फर्नीचर खराब अलमीरा इत्यादि खराब सामान को निस्तारित करने के लिए कहा गया।

माननीय सदन की बैठक से पूर्व सदन कक्ष को व्यवस्थित करने का कार्य नगर आयुक्त महोदय के निदेर्शानुसार कराया जा रहा है जिसकी सौंदर्य करण के लिए भी तैयारी चल रही है संबंधित अधिकारियों को कार्यवाही में तेजी लाने के लिए नगर आयुक्त महोदय द्वारा निर्देशित किया गया, मौके पर संबंधित अधिकारी गण उपस्थित रहे।

गर्मी में बालों के झड़ने से हैं परेशान तो जरूर अपनाएं ये नुस्खे, कुछ दिनों में दिखने लगेगा असर

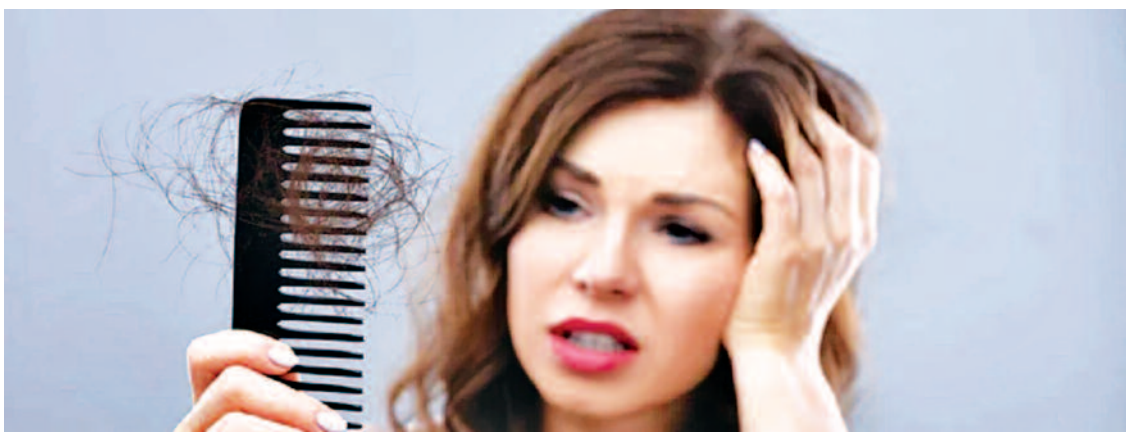

गर्मी के मौसम में हर कोई धूप और लू आदि से परेशान रहता है। वहीं गर्मी में पसीने के कारण बालों को भी बहुत नुकसान होता है। गर्मियों में बालों को खास देखभाल की जरूरत होती है। इन घरेलू नुस्खों से आपके बाल हेल्दी और शाइनी लगेंगे।

गर्मियों के मौसम में हर कोई चिलचिलाती धूप और लू से परेशान रहता है। गर्मी में पसीने और धूप के कारण कई स्किन से जुड़ी परेशानियां भी होने लगती हैं। गर्मी के अक्सर बच्चों से लेकर बड़ों तक को घमोरियां और रैशेज आदि होने लगते हैं। वहीं ज्यादा पसीने के कारण बालों को भी काफी नुकसान होता है और बात तेजी से झड़ने लगते हैं। वहीं बालों के टूटने की समस्या से हर दूसरा व्यक्ति परेशान रहता है। बालों को टूटने से बचाने के लिए कई महंगे प्रोडक्ट और दवाइयां तक खाते हैं। लेकिन इनका भी बालों पर कोई खास असर देखने को नहीं मिलता है।

आज इस आर्टिकल के जरिए गर्मियों में बालों को मजबूत रखने के लिए आपको कुछ घरेलू नुस्खों के बारे में बताने जा रहे हैं। इन घरेलू उपायों की मदद से आपके बाल झड़ना कम हो जाता है। आइए जानते हैं इन घरेलू नुस्खों के बारे में...

ऐसे इस्तेमाल करें एलोवेरा

एलोवेरा के फायदे के बारे में तो आप सभी जानते हैं। एलोवेरा न सिर्फ स्किन बल्कि बालों के लिए भी काफी फायदेमंद होता है। एलोवेरा में कई तरह के पोषक तत्व मौजूद होते हैं, जो बालों को लाभ पहुंचाते हैं। अगर आप भी बालों में एलोवेरा लगाएंगे तो इससे बालों का झड़ना कम हो जाएंगा। बालों में एलोवेरा को लगाकर 30 मिनट के लिए छोड़ दें। इसके बाद फिर नॉर्मल पानी से बालों को धो लें। अगर आप चाहें तो एलोवेरा में नारियल तेल भी मिला सकती हैं।

नारियल तेल

जिस तरह से सर्दियों में नारियल का तेल हमारी स्किन फायदा पहुंचाता है। उसी तरह से नारियल तेल हमारे बालों को भी फायदा पहुंचाता है। नारियल का तेल बालों में लगाने व स्कैल्प पर मालिश करने से आपके बालों को मजबूती मिलेगी।

अंडे और जैतून का तेल

अंडे और जैतून का तेल मिलाकर बालों में लगाने से बाल मजबूत होते हैं। यह झड़ते बालों को रोकने का रामबाण इलाज है। इसको बालों में लगाने के लिए सबसे पहले एक बाउल में अंडा और एक बड़ा चम्मच जैतून का तेल मिल लें।

फिर इसे बालों में 30 मिनट के लिए अप्लाई कर लें। इसके बाद नॉर्मल पानी से बालों को धो लें। ऐसा करने से आपको कुछ ही दिनों में साफ फर्क नजर आएगा।

मेथी

अगर आपके बाल भी तेजी से झड़ रहे हैं तो मेथी आपको इससे निजात दिला सकता है। इसके लिए आप मेथी को रातभर के लिए भिगो दें।

फिर अगली सुबह मेथी को पीस लें। अब इस पेस्ट को अपने स्कैल्प पर लगा लें। सप्ताह में दो बार मेथी का इस तरह से इस्तेमाल करने से आपको जबरदस्त फायदा देखने को मिलेगा।

गर्भवती महिला डाइट में जरूर शामिल करें ये दाल, मां और बच्चा दोनों रहेंगे हेल्दी

प्रेग्नेंसी में कई तरह की दाल खाने की सलाह दी जाती है। गर्भवती महिलाओं को मूंग दाल का सेवन काफी फायदेमंद होता है। क्योंकि दाल में कई तरह के पोषक तत्व पाए जाते हैं। जो मां और बच्चे दोनों को फायदा पहुंचाता है।

दालों में कई तरह के पोषक तत्व पाए जाते हैं। वहीं गर्भवती महिलाओं को भी अपने खाने में दाल शामिल करने की सलाह दी जाती है। दाल कई तरह की होती हैं, लेकिन गर्भवती महिलाओं के लिए मूंग की दाल सबसे ज्यादा फायदेमंद होती है। अगर आप भी प्रेग्नेंट हैं तो आपको हेल्दी डाइट जरूर लेनी चाहिए। आज हम आपको इस आर्टिकल में मूंग दाल खाने के फायदों के बारे में बताने जा रहे हैं। मूंग दाल न सिर्फ गर्भ में पलने वाले बच्चे बल्कि मां के लिए भी काफी फायदेमंद होती है। साथ ही आपको यह भी जानना चाहिए कि मूंग की दाल गर्भवती मां को किस तरह फायदा पहुंचाता है।

प्रोटीन

बता दें कि प्रेग्नेंट महिलाओं के लिए मूंग की दाल काफी फायदेमंद होती है। क्योंकि मूंग की दाल में प्रोटीन और काबोर्हाइड्रेट पाया जाता है। यह प्रेग्नेंट महिला को भरपूर एनर्जी और पोषण देने का काम करता है। वहीं प्रेग्नेंट महिलाओं के लिए प्रोटीन काफी फायदेमंद होता है। प्रोटीन आपकी कोशिकाओं की मरम्मत करने के साथ ही नई कोशिकाओं को बनाने में सहायक होता है। वहीं बॉडी में मांसपेशियों को बनाने में भी प्रोटीन आवश्यक होता है।

फाइबर

पीली मूंग की दाल में फाइबर मौजूद होता है। गर्भवती महिलाओं के लिए यह दाल काफी हेल्दी होती है। बता दें कि पीली मूंग की दाल फाइबर कब्ज और गैस्ट्रिक अल्सर के जोखिम को काफी हद तक कम करता है। इसके अलावा दाल में मौजूद फाइबर से मितली, ऐंठन, पेट फूलने की समस्या और मॉर्निंग सिकनेस को भी कम करता है। बता दें कि सिर्फ दाल से ही नहीं बल्कि हरी सब्जियों और फलों से भी फाइबर मिलता है।

आयरन

प्रेग्नेंसी में मां व बच्चे के लिए सभी तरह के पोषक तत्व आवश्यक होते हैं। वहीं मां व बच्चे के लिए आयरन भी आवश्यक होता है। मूंग की दाल से आयरन की पूर्ति की जाती है।

आयरन अहम मिनरल होता है, जो शरीर को प्रापर कार्य करवाने में मदद करती है। पीली मूंग दाल हीमोग्लोबिन लाल रक्त कोशिकाओं को बढ़ाने में मदद करता है। मूंग दाल के सेवन से आयरन की पूर्ति होती है। बता दें कि आयरन की कमी से थकान व एनीमिया हो सकता है। जिससे आपके बच्चे को नुकसान हो सकता है।

फोलिक एसिड

मूंग का सेवन गर्भावस्था के दौरान फोलेट प्रदान करता है। शिशु के विकास और वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए मूंग दाल में मौजूद फोलेट बहुत फायदेमंद होता है। सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन के मुताबिक जब गर्भ में शिशु जल्दी विकसित हो रहा होता है, तो फोलिक एसिड न्यूरल ट्यूब बनाने में सहायक होता है। फोलिक एसिड काफी अहम होता है क्योंकि यह बच्चे के दिमाग, रीढ़ से संबंधित दोषों को होने से रोकने में मदद करता है। यह दाल बच्चे के दिमाग की कोशिकाओं के लिए काफी अच्छी होती है। कई बच्चों में जन्म से स्पीना बिफिडा दोष होते हैं। वहीं इस दाल के सेवन से शिशु की याद्दाश्त अच्छी होती है और उसका दिमाग तेज होता है।

एंटीऑक्सीडेंट

गर्भावस्था के दौरान मूंग दाल में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट शरीर को सुरक्षा प्रदान करने का काम करता है। एक रिपोर्ट के अनुसार, मूंग दाल में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट कोशिकाओं को ऑक्सीडेटिव डैमेज से बचाता है और पहली तिमाही में गर्भपात खतरा कम होता है। मूंग दाल के सेवन से शरीर फ्री-रेडिकल डैमेज से भी बचता है और कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों का खतरा कम होता है।

नगर आयुक्त के नेतृत्व में शानदार रहा निगम का वॉल पेंटिंग कंपटीशन, विद्यार्थियों ने अपनी कला से शहर वासियों को दिया स्वच्छता का संदेश

गाजियाबाद। गाजियाबाद नगर निगम द्वारा डॉ नितिन गौड़ के नेतृत्व में वॉल पेंटिंग कंपटीशन का आयोजन आरडीसी फ्लाईओवर के पास हुआ जिसमें फ्लाईओवर की दीवार पर कई स्कूल के विद्यार्थियों ने पेंटिंग की, विद्यार्थियों ने पेंटिंग के माध्यम से शहर की स्वच्छता का संदेश दिया, एसबीएम नोडल अधिकारी डॉ मिथिलेश ने कार्यक्रम की व्यवस्थाओं को संभाला।

लगभग 16 स्कूलों के विद्यार्थियों ने कार्यक्रम में हिस्सा लिया कुल 260 प्रतिभागियों ने टीम बनाकर पेंटिंग की, विद्यार्थियों ने अपनी कला दिखाते हुए माननीय प्रधानमंत्री जी की फोटो भी बनाई, तथा कचरा पृथक्करण, कचरा निस्तारण के साथ-साथ शहर की स्वच्छता और प्रदूषण मुक्त शहर का संदेश शहर वासियों को दिया, नगर आयुक्त समेत गाजियाबाद नगर निगम के अपर नगर आयुक्त शिवपूजन यादव, मुख्य कर निर्धारण अधिकारी डॉ संजीव सिन्हा द्वारा पेंटिंग कंपटीशन मे निर्णय लेते हुए अरवाचीन पब्लिक स्कूल वसुंधरा प्रथम, न्यू रेनबो स्कूल वसुंधरा तथा राणा प्रताप हायर सेकेंडरी स्कूल लोहिया नगर द्वितीय, स्प्रिंगफील्ड पब्लिक स्कूल वसुंधरा तथा नगर निगम बालिका विद्यालय चंद्रपुरी तृतीय घोषित किया, सभी को सर्टिफिकेट देते हुए पुरस्कृत किया गया अन्य प्रतिभागियों को भी सर्टिफिकेट दिया गया तथा विद्यार्थियों के साथ-साथ उनकी स्कूलों के अध्यापक- अध्यापिकाओं की भी प्रशंसा की।

नगर आयुक्त ने विद्यार्थियों की कला की प्रशंसा करते हुए बढ़ाया मनोबल, कचरा पृथक्करण के लिए किया जागरूक

नगर आयुक्त द्वारा शहर वासियों को कचरा पृथक्करण हेतु जागरूक करने के लिए विद्यार्थियों के मनोबल को बढ़ाया उनके द्वारा सभी विद्यार्थियों को अपने अपने घरों में अपने स्कूलों में सूखा कचरा अलग गीला कचरा अलग रखने की अपील की, इसी प्रकार अपने आसपास क्षेत्र में भी सूखा और गीला कचरा अलग अलग रखने के लिए उत्साहित किया गया। वॉल पेंटिंग कंपटीशन के माध्यम से गाजियाबाद नगर निगम द्वारा विद्यार्थियों के माध्यम से जन जागरूकता अभियान चलाया गया है जिसमें विद्यार्थियों ने बहुत ही उत्साह के साथ अपने मन के भाव दीवार पर कला के माध्यम से उतारे जोकि गाजियाबाद नगर निगम का बहुत ही शानदार और सराहनीय प्रयास है नगर आयुक्त द्वारा बारी-बारी सभी स्कूल के विद्यार्थियों के पास जा कर फोटो खींच आया साथ ही उनकी कला की प्रशंसा की, उपस्थित अभिभावकों से भी वार्ता करते हुए कचरा निस्तारण कचरा पृथक्करण के लिए उत्साहित किया गया, उपस्थित जनों ने गाजियाबाद नगर निगम की कार्य की सराहना की और धन्यवाद जताया।

गाजियाबाद नगर निगम द्वारा समय-समय पर शहर में जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं जिसमें शहर के नागरिकों की भागीदारीता भी दिखाई दे रही है, जो कि एक बहुत ही सराहनीय पहल है, कार्यक्रम में एसबीएम टीम के साथ समस्त जोनल प्रभारी व संबंधित अधिकारीगण, डॉ अनुज उद्यान प्रभारी उपस्थित रहे, नगर आयुक्त महोदय द्वारा उक्त फ्लाईओवर की दीवार को स्वच्छ बाल दीवार का नाम दिया गया।

छात्रों का स्वर्णप्राशन और मातृ उदबोधन के साथ संपन्न हुई क्षेत्रीय शिशु वाटिका प्रशिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला

गाजियाबाद। सरस्वती शिशु मंदिर नेहरू नगर में क्षेत्रीय शिशु वाटिका प्रशिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला के तीसरे दिन वंदना सत्र के पश्चात नन्हे-मुन्ने छात्रों को मन्त्रोच्चारण के द्वारा स्वर्ण प्राशन कराया गया। आयुर्वेद के अनुसार स्वर्ण प्राशन के दिव्य औषधि है इसमें स्वर्ण भस्म सहित कई जीवनदायिनी और मेधा वर्धक औषधियों से निर्मित किया गया है।

कश्यप संहिता और सुश्रुत संहिता के अनुसार स्वर्ण प्राशन हमारे ऋषियों की आरोग्यवर्धिनी परंपरा है। प्राचीन काल में बच्चों का टीकाकरण नहीं होता था किंतु स्वर्ण प्राशन उसी टीकाकरण का पुरातन संस्करण है जो 6 माह के शिशु से 12 वर्ष आयु तक के बालक को हर मास पुष्य नक्षत्र में दिया जाने वाला एक स्वर्ण युक्त एक पथ्य है। इसके नियमित सेवन से छात्रों की आयु, बल, बुद्धि,मेधा तेज वृद्धि, विद्या और विकास पर्याप्त मात्रा में होते हैं। ऐसा बालक हमेशा स्वस्थ रहता है। बीमार नहीं पड़ता है।

क्षेत्रीय शिशु वाटिका संयोजिका श्रीमती सुधा बाना ने बताया कि स्वर्णप्राशन प संस्कार प्राचीन परंपरा है। विद्या भारती द्वारा संचालित शिशु वाटिका के छात्रों का कई वर्षों से सुवर्णप्राशन संस्कार चल रहा है और उसके बहुत ही चमत्कारी प्रभाव देखने को मिले हैं। ऐसे बालक,ज्ञान, विद्या बुद्धि और बहुत ही उत्तम रहते हैं।

अन्नप्राशन संस्कार के पश्चात क्षेत्रीय शिशु वाटिका की संयोजिका श्रीमती सुधा बाना ने छात्रों की माताओं को बताया की मातृशक्ति अपने बालक को बहुत महान बना सकती है। माता जीजाबाई की तरह भी उन्हें अपने पुत्र को देशभक्त, राष्ट्रभक्त और अपने धर्म से युक्त संस्कारी बनाना होगा। आवश्यकता है वर्तमान में चल रहे सांस्कृतिक दोहन को रोकने की। बच्चों को माताजी सुसंस्कार दे सकती है और उसकी नियमित देखभाल करके उन्हें पुष्टि प्रदान कर सकती है।

माताओं को बालोपयोगी खेल भी खिलाए गए,ताकि यह भी अपने बच्चों को संस्कार के रूप में घर पर बहुत कुछ सिखा सके। क्षेत्रीय संगठन मंत्री मान्यवर रामेश्वर साहू ने सभी प्रशिक्षकों को आशीर्वाद दिया और शुभकामनाएं प्रदान की। इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती रेखा शर्मा, विद्यालय के व्यवस्थापक प्रदीप गुप्ता, विक्रम, श्रीमती नम्रता आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे। शिशु शिक्षा समिति के प्रदेश निरीक्षक शिवकुमार शर्मा ने सभी प्रशिक्षकों व अतिथियों का आभार प्रदर्शन किया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं पुरस्कार वितरण समारोह के उपरांत हुआ कैम्प का भव्य समापन

गाजियाबाद। 35 यूपी वाहिनी एनसीसी मोदीनगर के तत्वाधान मे संयुक्त रूप से पतला मे चल रहे संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर -122 के अंतिम दिन रंगारंग कार्यक्रमों का आयोजन डी जी आर पब्लिक स्कूल पतला में कराया गया जिसमें एन सी सी कैडेट्स ने अपनी अपनी प्रतिभाओं का प्रदर्शन करते हुए सभी को मंत्रमुग्ध किया। इस दौरान कैडेट्स ने समाज में फैली बुराइयों का अंत करने हेतु विभिन्न नुक्कड़ नाटक के माध्यम से आमजन को प्रेरित करने का काम किया तथा गर्ल्स कैडेट्स ने नृत्य की विभिन्न विधाओं का प्रदर्शन कर अपनी सांस्कृतिक विरासत की झलकियों से अवगत कराया।इसके उपरांत कैंप के दौरान आयोजित करायी गयी सभी प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन करने वाले कैडेट्स को कैंप कमांडेंट कर्नल संदीप शर्मा एवं ट्रेनिंग ऑफि सर कर्नल आर पी दहिया एवं अतिथियों ने मेडल देकर भविष्य में और बेहतर प्रदर्शन करने हेतु प्रेरित किया।इसके उपरांत कैंप कमांडेंट कर्नल संदीप शर्मा ने संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर-122 के समापन के अवसर पर कैम्प को सफल बनाने के लिए सभी के प्रयासों की सराहना करते हुए सभी को धन्यवाद दिया और कैडेट्स को कैंप के दौरान बतायी गई बातों को आत्मसात कर अपने जीवन में उतारने एवं अच्छे नागरिक बनने हेतु प्रेरित किया। मौदी कॉलेज के एन सी सी अधिकारी कैंप एडजुडैन्ट प्रवीण जैनर ने कैंप रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए बताया कि कैंप के दौरान आयोजित सभी प्रतियोगिताओं में कैडेट्स ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया और सभी के द्वारा अपने दायित्वों का निर्वहन ईमानदारी एवं निष्ठा से कैम्प के उद्देश्यों को प्राप्त करने हेतु किया गया।इस अवसर पर कैंप कमांडेंट कर्नल संदीप शर्मा, कैंप ट्रेनिंग ऑफि सर कर्नल आर पी दहिया,सुबेदार मेजर राजेंद्र सिंह, कैम्प एडजूडेन्ट प्रवीण जैनर, प्रधानाचार्य मेजर सुनील कुमार,डी जी आर प्रधानाचार्या डा० सोनल सिंह, लै० अमित कुमार शर्मा, लै० मुकेश कुमार, कै० रजनीश जिंदल,ऑफिसर रितेश राय, ऑफि सर संगीता सिंह, सीटीओ मोदी कॉलेज राजीव जांगिड, सूबेदार वी शारू,सूबेदार अमरित बहादूर सिंजाली, नायब सूबेदार सरदार सिंह, हवलदार पवन, हवलदार सन्तोंष, बी एच एम सुरजीत सिंह,हवलदार टी बी कार्की हवलदार ब्रिजमोहन, संजीव यादव राजिंदर सिंह, चंद्रवीर,जितेंद्र,राजकुमारआदि का विशेष सहयोग रहा।

उत्तर प्रदेश में स्थापित होगा फार्मास्युटिकल रिसर्च एंड इनोवेशन इंस्टीच्यूट: मुख्यमंत्री

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को एक उच्चस्तरीय बैठक में प्रदेश में फार्मास्युटिकल सेक्टर के विकास की संभावनाओं पर चर्चा की। विशेष बैठक में मुख्यमंत्री ने फार्मा सेक्टर में शोध-अनुसंधान को प्रोत्साहित करने पर बल देते हुए प्रदेश में एक नवीन संस्थान की स्थापना के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

फार्मा मैन्युफैक्चरिंग इकाइयों की संख्या में उत्तर प्रदेश देश का 06वां सबसे बड़ा राज्य है, अब हमारा लक्ष्य देश में अग्रणी राज्य बनने का है। इसी प्रकार देश में फार्मा मैन्युफैक्चरिंग में अभी हमारा योगदान 2% का है जिसे 10-12% तक पहुंचाने की आवश्यकता है। फार्मास्युटिकल सेक्टर में विकास बड़ी संभावनाएं हैं। उत्तर प्रदेश को इन संभावनाओं का लाभ उठाना चाहिए। दवा निर्माण के साथ-साथ हमें शोध-अनुसंधान पर भी फोकस करना होगा।

प्रदेश में आईआईटीआर, सीडीआरआई, सीमैप और एनबीआरआई जैसे उच्चस्तरीय शोध संस्थान क्रियाशील हैं। जबकि एसजीपीजीआई, केजीएमयू जैसे अकादमिक संस्थान भी हैं। नियोजित प्रयासों से बीते कुछ वर्षों में लखनऊ बायोफार्मा हब के रूप में उभर कर आया है।

लॉयन आई हॉस्पिटल और रेखा डेंटल क्लीनिक के सहयोग से आरएचएएम फाउंडेशन ने जेकेजी स्कूल विजयनगर में लगाया दांत व आंख जांच शिविर

गाजियाबाद। लॉयन आई हॉस्पिटल और रेखा डेंटल क्लीनिक की ओर से शनिवार, 22 मई को विजयनगर स्थित जेकेजी इंटरनेशनल स्कूल में दांत और आंखों की जांच के लिए शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर में सैंकड़ों बच्चों के दांत व आंखों की जांच कराई गई। शिविर के आयोजन में आरएचएएम फाउंडेशन, रोटरी हेल्थ अवॉयरनेस मिशन और ऑल इंडिया हेल्थकेयर वर्कर्स एसोसिएशन ने सहयोग किया। शिविर के आयोजन में रोटरी क्लब इंदिरापुरम गैलोर, रोटरी क्लब गाजियाबाद सैफरोन, दिल्ली ईस्ट और गाजियाबाद सेंट्रल ने भी सहयोग किया।

प्रोजेक्ट कोर्डिनेटर करुण गौड़ ने बताया कि सुबह साढ़े नौ बजे से दो बजे तक चले शिविर में तीन सौ से ज्यादा बच्चों के दांत व आंखों की जांच कराई गई। लॉयन आई हॉस्पिटल और रेखा डेंटल क्लीनिक के डॉक्टरों की टीम ने सभी बच्चों के दांत व आंखों की जांच की। कई बच्चों के दांतों में पीलापन की समस्या पाई गई। बच्चों को नियमित तरीके से दांतों को ब्रश करने और किसी भी तरह की शिकायत होने पर डॉक्टरों से कंसल्ट करने का सुझाव दिया गया।

स्कूल की प्रिंसिपल अंजू गौड़ ने कहा कि बच्चों के स्वास्थ्य की जांच के लिए स्कूल द्वारा सामाजिक संगठनों की मदद से स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया जाता है। शिविर में जिन बच्चों के दांतों में पीलापन या मसूड़ों की शिकायत पाई गई है, उन बच्चों के अभिभावकों को दांत और आंखों की देखभाल के लिए अपील की गई।

स्कूल के निदेशक जे के गौड़ ने कहा कि जेकेजी इंटरनेशनल स्कूल की सभी शाखाओं में बच्चों में शिक्षा के साथ-साथ अन्य गतिविधियां जैसे खेल व सांस्कृतिक के विकास पर भी ध्यान दिया जाता है। साथ ही, उनके स्वास्थ्य पर भी विशेष ध्यान दिया जाता है।

इस मौके पर आरएचएएम के फाउंडर व चेयर रोटेरियन डॉ. धीरज भार्गव, आरएचएएम फाउंडेशन के सचिव रोटेरियन दयानंद शर्मा, आरएचएएम फाउंडेशन की सचिव मनीषा भार्गव, रेखा डेंटल क्लीनिक से डॉ. गौरव शर्मा, लॉयन आई हॉस्पिटल से सोनू, आरएचएएम फाउंडेशन से विक्रम समेत बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

पृष्ठ 1 का शेष भाग

बचपन में ही दांत और आंखों की जांच होती रहे तो परेशानी नहीं होती है.....

.....आरएचएएम के फाउंडर और चेयर रोटेरियन डॉ. धीरज भार्गव ने कहा कि बच्चों के स्वास्थ्य की चिंता सरकार के साथ सामाजिक संगठन भी करते हैं। रोटरी क्लब ने अपने सामाजिक दायित्वों के तहत स्कूली बच्चों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने और उन्हें खेल गतिविधियों की सुविधाएं मुहैय्या कराने का बीड़ा उठाया है। रोटरी क्लब की इस पहल का लाभ भी दिखने लगा है। इस मौके पर स्कूल की प्रिंसिपल निधि गौड़ ने मैक्स अस्पताल के डॉक्टरों की टीम के साथ रोटरी क्लब के सदस्यों का आभार व्यक्त किया है। शिविर के दौरान आरएचएएम के सचिव दयानंद शर्मा और कोषाध्यक्ष मनीषा भार्गव समत कई लोग उपस्थित थे।

Printed and Published by Dheeraj Kumar Bhargava at B.F.L Inrotech Ltd, C-9, Sector-3 Noida, Distt. Gautam Budh Nagar and Published at 282, Sarai Nazar Ali, behind MMG Hospital Ghaziabad (U.P.) 201 001. **Editor:** Dheeraj Kumar, **Resident Editor:** Manisha Bhargava** **Email:** editor@tbam.co.in
RNI. No: UPBIL/2009/28691, **Postal Registration No.** UP/GBD80/2016-18, **Advertisement :** Ph. No.: 0120-2850800, 2850297, **Fax :** 0120-4561000
Add: Plot No- 516, Sector- 12, Friends Co-operative Society, Vasundhra, Ghaziabad (U.P.)**
Responsible for selection of News under the PRB Act. Repro- duction in any manner, electronic or otherwise in whole or in post without prior written permission is prohibited.